HIN3A13a

(Expression orale)

Cours-3

संचार क्रांति के आगे बौने डाकिया बाबू!

-यह हाल : हाईटेक युग में हाशिये पर आयी डाक सेवा

महोबा, कार्यालय प्रतिनिधि : साइकिल में सवार खाकी वर्दी पहने बैग टाँगे डाकिया बाबू जैसे ही मुहल्ले व गाँव से निकलते थे लोग उनके पीछे-पीछे चले जाते थे। उत्सुकता से पूछते थे कि कहीं उनका कोई संदेशा तो नहीं आया है। संदेश आने पर लोग खुशी से झूम उठते थे और जिन्हें नहीं मिलता था वह मायूस हो जाते थे। डाकिया बाबू भी न सिर्फ लोगों को उनके रिश्तेदारों दोस्तों का संदेशा देते थे बल्कि उन्हें पढ़कर भी सुनाया करते थे। परदेश में कमाने गये लोग अपने घर न सिर्फ संदेश बल्कि पैसे भी भेजते थे। लेकिन संचार क्रांति ने लोगों के तौर तरीकों को बदलकर रख दिया है। हाईटेक युग में डाकिया बाबू न जाने कहां गुम हो गये है। वहीं पोस्ट आफिस में लगी पत्र पेटिकाएं धूल फाँकती रहती है।

संचार क्रांति व कोरियर सेवा के चलन ने डाक सेवा को हाशिये पर ला दिया है। एक जमाना था जब रजिस्ट्री, पोस्टकार्ड आदि के लिये पोस्ट आफिसों में लंबी लाइन लगा करती थी। ... इस बीच आयी संचार क्रांति की आंधी डाक विभाग के स्पीड पोस्ट की स्पीड ब्रेकर बन गई है। हर गली मुहल्ले में मोबाइल व इंटरनेट की पहुंच ने चिट्ठी लिखने के प्रचलन को लगभग समाप्त कर दिया है। हाईटेक युग में लोगों की सोच भी बदल गई है। वह परिजनों का हाल चाल जानने के लिये चिट्ठी लिखने और आने की प्रतीक्षा करने की बजाय तत्काल मोबाइल पर बात करना या एसएमएस करना ज्यादा मुफीद मानते है। संपर्क के इन आधुनिक सूत्रों ने पोस्ट आफिस के जमाने को बहुत पीछे छोड़ दिया। ... रही सही कसर निजी कंपनियों द्वारा चलाई गई कोरियर सेवा ने पूरी कर दी। लोग ...इंटरनेट व मोबाइल को डाक सेवा से ज्यादा बेहतर मानते है। कहते है पत्र लिखने व पहुंचने में समय लगता है। कई बार तो पत्र पहुंच ही नहीं पाता। जबकि मोबाइल से एसएमएस व इंटरनेट से ईमेल मिनटों में ही चला जाता है और उसका जवाब भी तुरंत मिल जाता है। कहते है जब इतनी अच्छी सुविधाएँ है तो पत्र लिखने और उसका जवाब आने का इंतजार कौन करे।

संचार क्रांति का नया युग

पिछले हफ्ते सूचना तकनीक से जुड़े दो महत्वपूर्ण सर्वेक्षणों की रिपोर्ट सामने आई। इनकी चर्चा ज्यादा नहीं हुई, लेकिन दोनों रिपोर्ट सूचना तकनीक एवं संचार के क्षेत्र में नए युग के सूत्रपात की तरफ संकेत कर रही हैं। पहला सर्वेक्षण भारत में स्मार्टफोन यूजर्स के बीच किया गया। सरल शब्दों में स्मार्टफोन यानी आधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल। नील्सन इंडिया और इंफोरमेट मोबाइल इंटीलीजेंस द्वारा किए संयुक्त सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक स्मार्ट फोन ने मोबाइल फोन को इस्तेमाल करने का पूरा तरीका ही बदल दिया है। मोबाइल फोन का उपयोग बात करने और एसएमएस भेजने के लिए किया जाता है, लेकिन स्मार्टफोन दो कदम आगे निकल रहे हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक स्मार्टफोन के यूजर्स अब बात और एसएमएस करने से ज्यादा मनोरंजन और इंटरनेट पर उपलब्ध कंटेंट पाने के लिए कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक स्मार्टफोन यूजर्स औसतन दिन में 2.5 घंटे फोन का इस्तेमाल करते हैं। इसमें 72 फीसदी समय गेम्स खेलने, मनोरंजक कंटेंट पाने, तरह-तरह के एप्लीकेशन इस्तेमाल करने आदि में गुजारते हैं। सिर्फ 28 फीसदी समय वे फोन पर बात करने या एसएमएस भेजने में खर्च करते हैं।कल्याणकारी योजनाओं का फायदा उन्हें नहीं मिलेगा। ....

Quels changements à la poste ? Comment les smartphones changent-ils l'utilisation des portables ?

Vocabulaire et expressions : हाशिया (m) marge; मायूस होना déprimé ; परदेश (m) pays étranger ; पत्र पेटिका (f) boîte aux lettres ; धूल फाँकना être abandonné ; हाशिये पर लाना marginaliser ; आँधी (f) vent puissant ; प्रचलन (m) pratique courante ; मुफीद होना être bénéfique ; सूत्र (m) fil ; कसर पूरी करना combler ce qui manque ; सर्वेक्षण (m) enquête ; सूत्रपात (m) début ; सुविधाओं से लैस doté de toutes les convenances ; उपलब्ध disponible